On a crisp cool morning in Dharamsala, India, a young street dog named Saathi prepares for her first Kukur Tihar, a festival celebrated annually around the time of Diwali, which commemorates the loyal and compassionate relationship between humans and dogs. After going to the festival with some of her friends, Saathi is badly hurt and ends up in the clinic at one of the dog shelters in Dharamsala. Saathi befriends a number of other street dogs at the dog shelter, each with their own story. We learn about the difficulties that they face each day trying to survive on the streets of India. Then something happens which ends up changing Saathi's life forever. The book is based on a true story of a real street dog from Kathmandu, Nepal, who is now living in Toronto, Canada.

धर्मशाल की एक सर्द सुबह में साथी अपने पहले कुकुर तिहार के त्यौहार के लिए तैयारी कर रही थी। एक ऐसा त्यौहार जिसे दिवाली के आस पास मनाया जाता है। यह त्यौहार कुत्तों और इंसानों के बीच के निष्ठावान रिश्ते का उत्सव है। उत्सव में जाने के साथी को बहुत बुरी चोट लग जाती है जिसकी वजह से वह धर्मशाला के किसी डॉग शेल्टर के क्लिनिक में पहुँच जाती है। वहाँ साथी के और भी कई नए दोस्त बन जाते हैं। सभी की अपनी एक कहानी होती है। हमें उनकी कहानियों से पता चलता है की भारत की गलियों के कुत्ते कैसे अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। फिर कुछ ऐसा होता है जिससे साथी की ज़िन्दगी हमेशा हमेशा के लिए बदल जाती है। यह किताब एक काठमांडू के बेघर कुत्ते की सच्ची कहानी पर आधारित है जो आज टोरंटो कनाडा में रह रहा है।

"Make no mistake - children trained in the principles of justice and empathy for animals make better human beings. And the story of Saathi is delightful resource for this essential task."

– Chinny Krishna, Blue Cross of India

"Just like charity, compassion too begins at home. This book effortlessly instills the spirit of compassion in young minds through the experiences of a street dog Saathi and her friends. A must-read for children of all age groups!"

– Mini Vasudevan, Animal Activist

"The story of Saathi and her friends is so true for almost every dog on the Indian streets. The various incidents that dogs face virtually on a daily basis, is described wonderfully well in this book. Reading this book would surely sow seeds of compassion for animals in children."

– Vasanthi Kumar, Co-Founder & Managing Trustee, STRAW India

"इसमें कोई शक नहीं है, जानवरों के लिए न्याय और सहानुभूति के सिद्धांतों में प्रशिक्षित बच्चे बेहतर इंसान बनाते हैं। और शाखी की कहानी इस आवश्यक कार्य के लिए एक रमणीय संसाधन है।"

- चिन्नी कृष्णा, ब्लू क्रॉस ऑफ़ इंडिया

"दान की तरह करुणा की भी शुरुआत घर से होती है। यह पुस्तक एक गली के कुत्ते 'साथी' और उसके दोस्तों के अनुभवों के माध्यम से युवा मन में सरलता से करुणा की भावना प्रेरित करती है। सभी आयु वर्ग के बच्चों को अवश्य पढ़ना चाहिए!"

- मिनी वासुदेवन, एनिमल एक्टिविस्ट

"साथी और उसके दोस्तों की कहानी भारतीय सड़कों पर लगभग हर कुत्ते के लिए सच है। इस पुस्तक में कुत्तों द्वारा लगभग दैनिक आधार पर जिन विभिन्न घटनाओं का सामना किया जाता है, उनका वर्णन शानदार रूप से किया गया है। इस पुस्तक को पढ़कर निश्चित ही बच्चों में पशुओं के प्रति करुणा के बीज बोये जायेंगे।"

- वसंती कुमार, सह-संस्थापक और प्रबंध ट्रस्टी, स्ट्रॉ इंडिया

ADARSH BOOKS

ADARSH ENTERPRISES
Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-2
Phone: 91-011-41009940
adarshbooksindia@gmail.com
www.adarshbooksindia.com

ISBN 978-81-8363-228-7
9 788183 632287

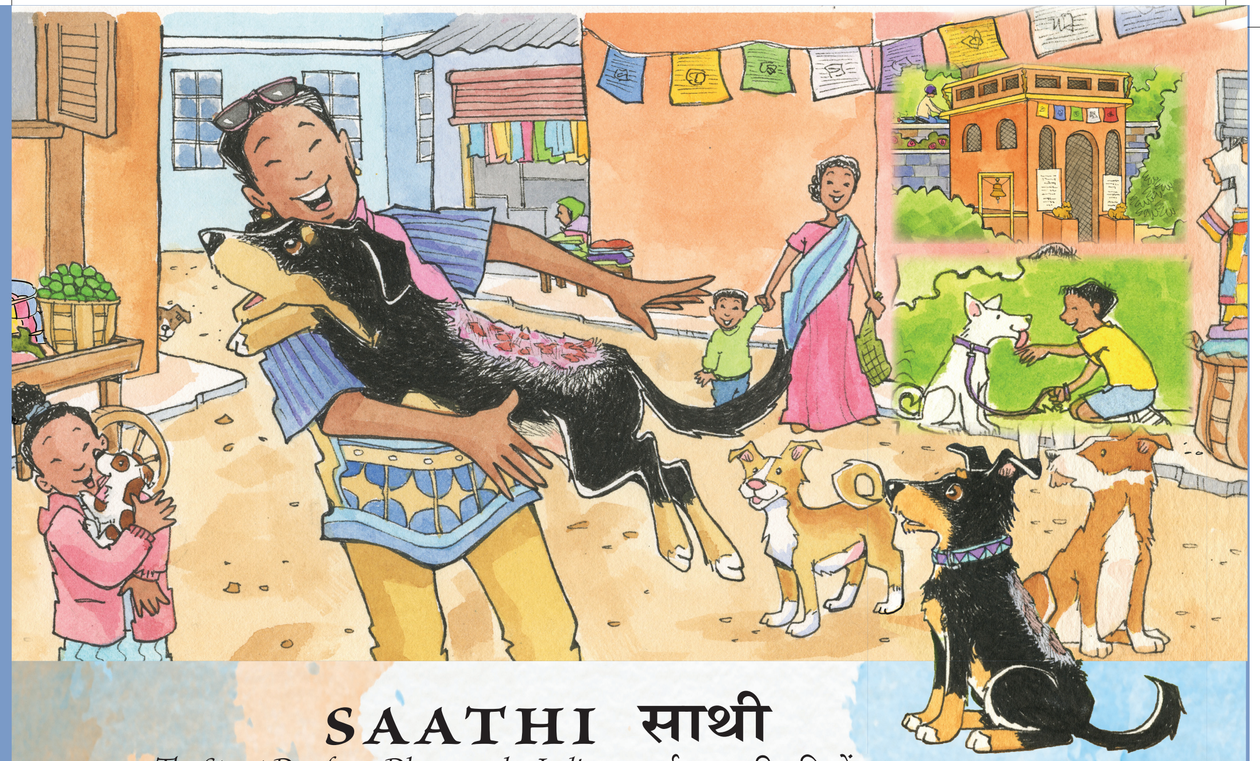

SAATHI साथी

The Street Dog from Dharamsala, India

धर्मशाला की गलियों का एक कुत्ता

Written by **Julu**
Illustrations by **Jenny Campbell**
Translated by **Deepti Karn**

मुख्य लेखक : **जुलु**
चित्रण : **जेनी कैम्पबेल**
अनुवादक : **दीप्ति कर्ण**